ज्योतिष वर्तमान का साक्षी एवं भविष्य का मार्गदर्शक है

इंदौर। हिंदू सनातन नववर्ष श्री विक्रम संवत् 2082 का प्रारंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा रविवार से हो रहा है,चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ज्योतिष दिवस मनाया के रूप में मनाया जाता है। इंदौर में नगर के प्रसिद्ध ज्योतिष कर्मकांड धर्म अध्यात्म के विद्वानो द्वारापारंपरिक विधि विधान से ज्योतिष दिवस मनाया गया। देवगुरुकुलम एवं ज्योतिषीय संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में होटल सूर्या में ज्योतिष दिवस का शुभारंभ देश भर से प्रकाशित चैती पंचांगों के पंचोपचार पूजन अर्चन से हुआ।

आयोजन में पूर्व राज्यमंत्री और विश्व ब्राह्मण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. योगेन्द्र जी महंत, मध्यप्रदेश ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य पं. रामचंद्र जी शर्मा वैदिक, भागवत प्रवक्ता आचार्य संतोष भार्गव, महंत जुगल बाबा, ज्योतिष विदुषी संगीता शर्मा मुख्य रूप से उपस्थिति रही। सभी अतिथि विद्वानों ने मां सरस्वती और पंचागो का पूजन एवं दीप प्रज्वलित कर ज्योतिष दिवस का विधिवत शुभारंभ किया इसके पाश्चात संस्था देवकुलम के संस्थापक देवेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा अतिथियों का सारस्वत सम्मान उत्तरीय, दुपट्टा और तुलसी का पौधा भेट कर किया । आचार्य पंडित रामचंद्र शर्मा वैदिक ने ज्योतिष दिवस का महत्व प्रतिपादित करते हुए कहा कि जन्म से मृत्यु पर्यंत ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता एक मार्गदर्शक के रूप में है,,ज्योतिष एक विज्ञान है यह शाश्वत सत्य हैऔर सत्य को खोजना नहीं महसूस करना पड़ता है ,यह वर्तमान का साक्षी एवं भविष्य का मार्गदर्शक है । भागवत प्रवक्ता संतोष भार्गव ने ज्योतिष दिवस के पुरातन और सनातन महत्व और उसके गणित को समझाया पंडित योगेन्द्र महंत ने इसेजनोपयोगी विज्ञान बताया.., महंत जुगल बाबा एवं संगीता जी शर्मा ने ज्योतिष में माता पिता के महत्व को बताते हुए कहा जो लोग अपने माता पिता की सेवा करते उनके ग्रह स्वयं अच्छे हो जाते है।

संस्था द्वारा पधारे अतिथियों को सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया, अतिथियों ने आयोजन में पधारे विष्णु प्रसाद चौधरी, के डी बैरागी, मनीषा रजावत, रोहित कारला, मौसम मेश्राम, रत्ना जाखेटिया , रेणु जैन, प्रियंका बोरदिया, जानवी रिझवानी, विजय सदावना, मनु शर्मा, रजनी मालवीय, प्रेरणा त्याती, शिखा गोयल, माया सिंह, नवीन श्रीवास्तव, अपर्णा सिंह नेहा वर्मा, रिया कालरा अभिलाषा तिवारी, सेजल दलवानी, रूचिका वर्मा आदि ज्योतिष वास्तु विद्वानों को भी प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभ कामना की। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार देवेंद्र सिंह कुशवाह ने किया। सादर सचित्र प्रकाशन हेतु।

मोता तबेला स्थित वरिष्ठ जिला पंजीयक कार्यालय में मार्च के अंतिम दिनों में रजिस्ट्री करवाने वालों के लिए लगी भीड़।
फोटो जर्नलिस्ट नवीन मौर्य

कलेक्टर्दर श्री ऋतुराज सिंह ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन माताजी की टेकरी पहुंचकर की पूजा अर्चना

देवास(अंतिम यादव)। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन माताजी की टेकरी पहुंचकर सपत्नीक पूजा-अर्चना की तथा मां तुलजा भवानी व मां चामुंडा से जिले की सुख-समृद्धि की कामना की। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को माताजी की टेकरी पर व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान तहसीलदार श्रीमती सपना शर्मा, नायबतहसीलदार सुश्री निधि राजपूत व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

भगवान झूलेलाल की जन्म जयंती पर इन्दौर में निकली ऐतिहासिक शोभायात्रा

आयोलाल-झूलेलाल के उद्घोष से गूंजा आसमान, सिंधी भजनों पर झूमे समाजजन

इन्दौर। रविवार का दिन सिंधी समाजजनों के लिए उत्साह, उमंग और उल्लास भरा रहा। सुबह जहां सिंधी बाहुल्य क्षेत्रों में भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव की खुशियां छाई रही तो वहीं शाम को छत्रीबाग स्थित श्री अखंड ज्योति मंदिर से भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा लाव-लश्कर के साथ निकाली गई। यात्रा के पूर्व सिंधी समाज के वरिष्ठों ने सेवादारों व संत समाज के सान्निध्य में भगवान झूलेलाल का अभिषेक, पूजन व महाआरती की।

इसके पश्चात भगवान झूलेलाल को फूलों से श्रृंगारित रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। यात्रा में सिंधी समाजजन जहां भजनों पर थिरक रहे थे तो वहीं सिंधी बाहुल्य क्षेत्रों से लगभग 15 से अधिक महिला भजन मंडलियां भी भजनों की प्रस्तुतियां देते हो चल रही थी। यात्रा के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण व जल संरक्षण का भी संदेश दिया गया। इसी के साथ सिंधी समाज बंधुओं ने हिंदू नववर्ष की बधाईयां भी दी।

चेटीचण्ड उत्सव समिति अध्यक्ष दयालदास ठाकुर, सचिव अशोक खुबानी, हरिश डाबानी, नरेश फुंदवानी एवं रवि भाटिया ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार निकलने वाली शोभायात्रा इस वर्ष हाइटेक रही। जिसमें 10 वॉच टॉवरों के साथ ही सोलर कैमरों व ड्रोन से यात्रा पर निगरानी रखी गई। संपूर्ण यात्रा के मार्ग में यातायात बाधित न हो इसके लिए भी 100 युवाओं और मातृशक्तियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई थी। वहीं झांकियों व मार्ग की संपूर्ण व्यवस्था की कमान जवाहर मंगवानी की टीम को सौंपी गई थी। यात्रा में सांसद शंकर लालवानी, विधायक मालिनी गौड़, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, खेमचंद शादीजा, ललित पारानी, पंकज फतेहचंदानी, महेश कुकरेजा, जवाहर मंगवानी, अजय शिवानी, जय काकवानी सहित धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियां भी मौजूद रही।

ऐतिहासिक शोभायात्रा में 20 हजार लोग उमड़े, प्रत्येक मंच से हुई पुष्पवर्षा

चेटीचण्ड उत्सव समिति अध्यक्ष दयालदास ठाकुर, सचिव अशोक खुबानी ने बताया कि छत्रीबाग स्थित श्री अखंड ज्योति मंदिर पर मुख्य अतिथियों ने ज्योत प्रज्जवलित कर यात्रा शुरू की। इसके पश्चात बहराणा साहिब अपने सिर पर रख भगवान झूलेलाल के रथ पर रख पूजन किया गया। छत्रीबाग स्थित अखंड ज्योति मंदिर से झूलेलाल के जन्मोत्सव पर निकली सिंधी समाज की ऐतिहासिक शोभायात्रा में 20 हजार से अधिक समाज बंधु शामिल हुए। यात्रा में 6 से अधिक झांकियां भी थी जो मार्ग में आने जाने वाले राहगिरों का ध्यानाकर्षण कर रही थी। अखंड ज्योति मंदिर से सिंधी कालोनी के 20 किलोमीटर के मार्ग में 150 से अधिक मंचों के माध्यम से पुष्पवर्षा कर भगवान झूलेलाल व समाज बंधुओं का स्वागत सत्कार किया गया। यात्रा में 70 से अधिक वाहनों का काफिला भी था।

6 झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

यात्रा में भगवान झूलेलाल की झांकी, समुद्र में मछली पर सवार भगवान झूलेलाल, प्रयागराज महाकुंभ को दर्शाती झांकी, खेल-कूद गतिविधियों की झांकी, मथुरा-वृंदावन के फाग महोत्सव को दर्शाती झांकी इस यात्रा में आकर्षण का केंद्र रही। यात्रा के अग्र भाग में भगवान व महापुरूषों की वेशभूषा में बच्चे शामिल हुए तो वहीं मध्य भाग में सिंधी समाज के युवा व महिलाएं डांडिया खेलते हुए नजर आए। छत्रीबाग से भगवान झूलेलाल का रथ जैसे ही आगे बढ़ा वैसे ही युवाओं ने आयोलाल-झूलेलाल के जयघोष से आसमान गुंजा दिया। वहीं सिंधी भजनों पर भी युवा जमकर थिरके। शोभायात्रा के मार्ग में सफाई मित्रों का भी विशेष सहयोग रहा जो यात्रा के मार्ग में हाथों-हाथ सफाई करते हुए नजर आए।

परीक्षाएं क्यों बन रही मजाक ?

उत्तरप्रदेश में शनिवार को नर्सिंग ऑफिसर्स भर्ती परीक्षा होने के बाद मिली तकनिकी शिकायतों के कारण अगली नई तारीख की सूचना तक निरस्त कर दी गई. परीक्षा की जिम्मेदारी टीसीएस को दी गई थी. 80 सीटों के लिए 5768 अभ्यार्थी लखनऊ, गाजियाबाद, नोयडा और दिल्ली के 17 केंद्रों पर शामिल हुए. परीक्षा का आयोजन चाइल्ड पीजीआई द्वारा किया गया था. मसलन दूर-दूर से आये अभ्यार्थी परेशान हुए, परीक्षा खर्च लगा, तैयारियां धरी रह गई और अब अगली तारीख का इन्तजार और फिर वही परेशानी.

आखिर सबकुछ चैक करके क्यों नहीं परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं. कभी तकनीकी कारण तो कभी पेपर लीक और कभी कोई और कारण से देश में बड़ी-बड़ी परीक्षाएं निरस्त कर दी जाती हैं.. बेरोजगारों के साथ आखिर ऐसा मजाक क्यों बारम्बार किया जा रहा है ?

शकुंतला महेश नेनावा, 57, गिरधर नगर (तिलक नगर के पास), इंदौर (म.प्र.)... फोन.. 0731-4046326.

अंतिम पत्र

महोदय,

मध्य प्रदेश में 3.46 प्रतिशत बढ़ेगे बिजली के रेट, अप्रैल से लागू होंगी नई दरें.

टिप्पणी-, पढ़ कर झटका लगा क्या बिजली का बिल भरने के लिए बैंक से लोन मिलेगा?

सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम, मप्र

कार्टून कोना.....

मप्र के तापमान गिरावट, गर्मी से मिली राहत

बारिश-ओले के बाद चलेगी लू

इंदौर। मप्र के मौसम लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां पहले तेज गर्मी से लोग परेशान हो रहे थे। वहीं पिछले दो दिन से तापमान में गिरावट हुई है। अप्रैल के पहले सप्ताह में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है।

1 और 2 अप्रैल को भोपाल, इंदौर, जबलपुर, नर्मदापुरम समेत प्रदेश के पूर्वी हिस्से रीवा, शहडोल संभाग में भी बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में ओले गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से मौसम बदल सकता है। 31 मार्च को दिन-रात के तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर में दिन का पारा 35-36 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रह सकता है। रात में भी पारा कम ही रहेगा।

अप्रैल महीने की शुरुआत में भले ही बारिश और ओले का अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन इसके बाद लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू चलने की संभावना ज्यादा है, जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

आयो लाल झूलेलाल, सिंधी समाज ने मनाया चेटीचंड महोत्सव, निकाली शोभायात्रा

महू (इंदौर समाचार) आयो लाल झूलेलाल के गगन भेदी नारों के साथ महू में सिंधी समाज द्वारा भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा निकाली गई। महू में सिंधी समाज ने चेटीचंड महोत्सव के अवसर पर भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। हीरा तारा स्थित सिंधी समाज धर्मशाला से शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में समाज के लोगों ने मंदिर में भगवान झूलेलाल की विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद भगवान की प्रतिमा को रथ में विराजमान किया गया। रथ यात्रा ने शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः सिंधी धर्मशाला पर पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग शामिल हुए। मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर सिंधी समाज की महिलाओं ने पारंपरिक कपड़े पहने और सिंधी लोक गीतों पर नृत्य किया।

बोहरा समाज ने ईद का पर्व नमाज अदा कर उत्साह एवं धूमधाम से मनाया

महू (इंदौर समाचार) शहर में बोहरा समाज द्वारा ईदुल फितर का पर्व श्रद्धा, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाजजनो ने सुबह कोतवाली चौक स्थित बोहरा मस्जिद में एकत्र होकर सामूहिक नमाज अदा की। नमाज के दौरान देश, समाज और समस्त मानवता की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए दुआएं मांगी गई। इस अवसर पर मस्जिद को खूब सजाया गया वही नमाज अदा करने के पश्चात समाजजन एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और मिठाइयों का आदान-प्रदान किया। समाज के बुजुर्गों ने सभी को आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। ईद की खुशियों को चार चाँद लगाने के लिए समाज के विभिन्न परिवारों में सेवइयां, शीरखुरमा, फिरनी और अन्य पारंपरिक मिठाइयाँ तैयार की गईं। घर-घर जाकर समाजजन एक-दूसरे को बधाई देने पहुंचे, जहाँ उन्हें पारंपरिक पकवान परोसे गए। ईद के मौके पर समाज के बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। नए वस्त्र धारण कर वे एक-दूसरे से मिलने और ईदी (उपहार) पाने के लिए उत्सुक नजर आए। इस अवसर पर समाज के कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। उन्होंने एकजुटता का संदेश देते हुए समाज को आगे बढ़ाने और आपसी सहयोग बनाए रखने की अपील की।

सर्विस प्रोवाइडर द्वारा ली गई लिमिट के करोड़ों रुपए डूब जाने की आशंका

इंदौर। राज्य शासन के द्वारा जारी किए गए मनमानी आदेश से पंजीयन कार्यालय में हड़कंप मच गया है। वित्तीय वर्ष का समापन की मेला में सर्विस प्रोवाइडर के द्वारा ली गई लिमिट के करोड़ों रुपए डूब जाने की आशंका है। संपत्ति के रजिस्ट्री में नागरिकों के द्वारा सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले संपदा 1.0 को अचानक बंद करने के ऐलान से सभी चौंक गए हैं।

पंजीयन विभाग के महानिरीक्षक अमित तोमर के द्वारा कल एक आदेश जारी किया गया। यह आदेश सभी वरिष्ठ जिला पंचायत और

- शासन के मनमाने आदेश से पंजीयन कार्यालय में हड़कंप

- नागरिकों के द्वारा सबसे ज्यादा अपने जाने वाले संपदा 1.0 को बंद करने का ऐलान

जिला पंचायत के साथ उप पंजीयक को भी भेजा गया। इस आदेश में शासन के द्वारा यह स्पष्ट कहा गया है कि 1 अप्रैल 2025 से पूरे मध्यप्रदेश में केवल संपदा 2.0 की प्रणाली से ही संपत्ति के पंजीयन के करवाई की जाएगी। वित्तीय वर्ष का समापन की मेला में शासन की ओर से सभी सर्विस प्रोवाइडर को दबाव बनाकर ज्यादा से ज्यादा लिमिट ले लेने के लिए कहा गया था। इसका परिणाम यह हुआ की जितनी रजिस्ट्री नहीं हुई उससे ज्यादा पैसे जमा कराकर सर्विस प्रोवाइडर के द्वारा लिमिट ले ली गई। पूरे मध्यप्रदेश में सर्विस प्रोवाइडरों ने करोड़ों रुपए की लिमिट ले ली है। इस आदेश में कहा गया है कि संपदा 1.0 में ली गई कोई भी लिमिट संपदा 2.0 में ट्रांसफर नहीं की जाएगी। इस लिमिट का उपयोग सर्विस प्रोवाइडर को 31 मार्च तक कर लेना होगा। इस आदेश में कहा गया है कि यदि कोई दस्तावेज संपदा 1.0 में तैयार किया जाता है और उसकी रजिस्ट्री 31 मार्च तक नहीं हो जाती है तो 1 अप्रैल के बाद उस दस्तावेज को संपदा 2.0 में भी ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। इससे स्पष्ट है कि वह दस्तावेज 31 मार्च के बाद रद्दी हो जाएगा।

सबसे बड़ा मजाक

इस आदेश में यह कहा गया है कि समस्त जिला अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे की संपदा 1.0 बंद होने की सूचना स्थानीय अखबारों और अन्य समाचार माध्यमों से जन सामान्य तक एक सप्ताह पूर्व ही पहुंच जाए। यह आदेश 29 मार्च को जारी किया गया है और 31 मार्च से संपदा 1.0 को बंद करने की घोषणा की गई है। जब आदेश की अवधि में ही एक सप्ताह का अंतर नहीं है तो फिर जिले के अधिकारी किस तरह से जनता को एक सप्ताह पूर्व इस बाबत सूचना दे पाएंगे।